परीक्षा | जिले के 23 केंद्रों पर हुई नीट यूजी की परीक्षा

कड़ी निगरानी के बीच 9,860 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

नवभारत,जबलपुर। दोपहर के ठीक 12 बजे से ही शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की भीड़ दिखाई देने लगी थी। हाथों में एडमिट कार्ड, चेहरे पर तनाव और उम्मीदों का मिश्रण लिए छात्र-छात्राएं समय से पहले ही पहुंच गए थे।जैसे-जैसे घड़ी की सुइयां 2 बजे के करीब पहुंचीं, केंद्रों के बाहर सुरक्षा और सख्त होती नजर आई। प्रवेश द्वार पर हर अभ्यर्थी की गहन जांच की गई।मेटल डिटेक्टर, फ्रिस्किंग और बायोमेट्रिक सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही अंदर जाने की अनुमति दी गई। जानकारी के अनुसार इस वर्ष जबलपुर में कुल 27 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इनमें से 23 केंद्रों पर 10,417 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जबकि 9,860 परीक्षार्थियों ने वास्तविक रूप से परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे तक एक ही पाली में संपन्न हुई।

समय से पहुंचने का मिला लाभ

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया गया। निर्धारित ड्रेस कोड के अनुसार ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। कई छात्रों को समय से पहले पहुंचने के निर्देश का लाभ मिला, जिससे जांच प्रक्रिया बिना किसी अवरोध के पूरी हो सकी।

निरीक्षक रखे थे अभ्यर्थियों पर नजर

परीक्षा कक्षों के अंदर भी सख्ती साफ दिखाई दी। हर कमरे में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा कराई गई। निरीक्षक लगातार अभ्यर्थियों पर नजर बनाए हुए थे। प्रशासन, पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी केंद्रों का निरीक्षण करते रहे, जिससे पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित बनी रही। कई केंद्रों पर अभिभावक बाहर खड़े होकर अपने बच्चों के लिए दुआ करते नजर आए।

इनका कहना है

पेपर थोड़ा लंबा था, खासकर बायोलॉजी सेक्शन, शुरू में थोड़ा डर था, लेकिन पेपर देखकर ठीक लगा। कुल मिलाकर परीक्षा अच्छी रही।

सृष्टि करचाम

बायोमेट्रिक और चेकिंग में समय लगा, लेकिन व्यवस्था काफी अच्छी थी। फिजिक्स थोड़ा कठिन लगा।

धनश्री उईके

पेपर का स्तर ठीक-ठाक था। केमिस्ट्री आसान थी, लेकिन समय मैनेजमेंट चुनौतीपूर्ण रहा। सुरक्षा देखकर लगा कि इस बार कोई गड़बड़ी नहीं होगी।

सृजन दुबे

गुरु अमरदास ने पर्दा प्रथा के उन्मूलन के लिए चेतना जगाई

गुरु अमरदास के प्रकाशोत्सव पर गुरुद्वारों में गूंजी अमृतरस गुरुवाणी

नवभारत,जबलपुर। नगर के विभिन्न गुरुद्वारों में सिख समाज द्वारा सिख धर्म के तीसरे गुरु अमरदास जी का पवित्र प्रकाशोत्सव गुरुपर्व समारोह पूर्ण आस्था, विश्वास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। मुख्य आयोजन पुण्य सलिला नर्मदा के परले तट पर स्थित गुरुद्वारा गौरीघाट साहिब में अमृतरस कीर्तन दरबार के साथ आरम्भ हुआ जहां रागी जत्था नरेन्द्र सिंह, सतनाम सिंह, मनप्रीत सिंह एवं स्त्री सत्संग सभा द्वारा सुमधुर स्वरों में सम सामयिक गुरुवाणी शबद 'भले अमरदास गुण तेरे, तेरी उपमा तोहे बन आवै ' की इलाही प्रस्तुति देकर साध संगत को रसविभोर कर दिया। इस मौके पर ज्ञानी फुलबीर सिंह फूल ने कहा कि गुरु अमरदास जी को सन् 1552 में 73 वर्ष की वृद्धावस्था में गुरुनानक की गुरुगद्दी पर आसीन कराया गया, जिन्होंने समाज सुधार की दिशा में सती प्रथा का खुला विरोध किया और पर्दा प्रथा के उन्मूलन हेतु महिलाओं को जागरूक किया। गुरुजी ने मानवता के पथ प्रदर्शन हेतु आनंदसाहिब सहित 870 शबद सहित पवित्र गुरुवाणी का सृजन किया जोकि श्री गुरु ग्रंथ साहिब में शिद्दत से दर्ज है। इस दौरान गुरु के अटूट लंगर के साथ ही नौजवानों द्वारा शीतल छबील का लंगर भी दिनभर वितरित किया गया। प्रधानसाहब गुलजीत सिंह साहनी ने आभार व्यक्त किया। फुलवीर सिंह ने संचालन किया।

नाव बंद होने के बावजूद लोग मंगेली मार्ग से पहुंचे

दोपहर की तेज धूप के बावजूद गौरीघाट में नाव बंद होने के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण नर्मदा पुल पार कर ग्राम मंगेली के सड़क मार्ग से गुरुद्वारा पहुंचे और गुरुघर में माथा टेककर अपनी श्रद्धा भक्ति का इजहार किया । आयोजन की सफलता में विभिन्न निष्काम सेवादारों की अहम भूमिका रही ।

सिख समाज ने अर्पित की श्रद्धांजलि

बरगी डैम के हौलनाक हादसे में असमय मौत की आगोश में समा जाने वाले मृतकों की आत्मिक शांति हेतु नगर के सिख समाज द्वारा जबलपुर सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नेतृत्व में गुरुद्वारा गोरखपुर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । जहां मुख्य ग्रंथी ज्ञानी हरजीत सिंह खालसा ने अरदास प्रार्थना एवं रागी जत्था बलजीत सिंह एवं साजिंदे साथियों ने इलाही गुरुवाणी के माध्यम से मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान अध्यक्ष रजिंदर सिंह छावड़ा महासचिव मंजीत सिंह ननडा एवं कमेटी सदस्यों के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही ।

एक नजर में

सह पल्लीपुरोहित फ़ादर जोनस को भावभीनी विदाई

नवभारत,जबलपुर। सेंट पीटर एंड पॉल महागिरजाघर में सह पल्लीपुरोहित फ़ादर जोनस मरकाम को उनके दो वर्ष के सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर भावभीनी विदाई दी गई। उनका स्थानांतरण डायरेक्टर, सेंट पीटर अपोस्टोलिक स्टडी हाउस बिंचिया तथा उप प्राचार्य, भारत ज्योति विद्यालय मंडला के रूप में किया गया है। इस अवसर पर पल्ली पुरोहित डॉ. फ़ादर डेविस जॉर्ज ने पवित्र मिस्सा बलिदान अर्पित करते हुए फ़ादर मरकाम के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की और उन्हें पुष्पगुच्छ व स्मृति भेंट देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में पल्ली परिषद के सदस्यों एवं महिला मंडल ने भी उनका सम्मान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जॉन डेविड, मनोज एंथोनी, रेशलू पीटर, जुसिया सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। वहीं, उनके स्थान पर नए सह पल्लीपुरोहित के रूप में फ़ादर सुरेंद्र कमरे पदभार ग्रहण करेंगे।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए युवाओं की भागीदारी आवश्यक

नवभारत,जबलपुर। महाकौशल विचार मंच एवं प्रज्ञा प्रवाह महाकौशल प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में प्रांत युवा आयाम अभ्यास वर्ग का आयोजन मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रांत के 10 विभागों और 17 जिलों जबलपुर, कटनी, रीवा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, शहडोल, सिवनी सहित विभिन्न क्षेत्रों से कुल 40 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। अभ्यास वर्ग को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय युवा आयाम प्रमुख ईशान जोशी ने युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। वहीं अखिल भारतीय प्रचार आयाम प्रमुख एवं लेखक प्रशांत पोल ने वैचारिक विस्तार और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। इस अवसर पर प्रांत संयोजक एड. राकेश सिंह, सह-संयोजक डॉ. पुष्पराज बघेल, युवा आयाम प्रमुख डॉ. शुभांशु शर्मा एवं सह-प्रमुख डॉ. आशीष यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अभ्यास वर्ग में संगठन विस्तार, विचार प्रसार और सामाजिक दायित्वों जैसे विषयों पर विभिन्न मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए, जिनमें कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की।

जिज्ञासुओं के लिए 'तत्वबोध' अध्ययन कार्यक्रम 8 से

नवभारत,जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय चिन्मय मिशन के संस्थापक स्वामी चिन्मयानंद के जन्मदिवस के अवसर पर 8 मई (शुक्रवार) से श्री राममंदिर, गुप्तेश्वर रोड, मदन महल में आदि शंकराचार्य विरचित ग्रंथ 'तत्वबोध' के अध्ययन कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया जा रहा है। वेदांत अध्ययन परम्परा के प्रथम प्रकरण ग्रंथ 'तत्वबोध' का विधिवत अध्ययन प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को लगभग दो माह तक चलेगा। इस दौरान 'अहम' तत्व, जगत की रचना तथा जीवन-जगत एवं ईश्वर के संबंध पर गहन विवेचन किया जाएगा। यह सम्पूर्ण अध्ययन हितेश चैतन्य (डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय) के सान्निध्य में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम के संयोजक दीपक बिरमानी, अतुल तिवारी एवं सचिन डोंगरे ने सभी जिज्ञासुओं से आग्रह किया है कि वे निर्धारित संपर्क नम्बरों पर रजिस्ट्रेशन कर अध्ययन कार्यक्रम में सम्मिलित हों।

क्रूज हादसा : कैंडल मार्च निकालकर युवा कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

नवभारत,जबलपुर। बरगी में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे ने पूरे देश झकझोरा दिया है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को युवा कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाल कर श्रद्धांजलि दी। यह कैंडल मार्च पहाड़िया पैलेस से रद्दी चौकी तक निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने हादसे को सीधे तौर पर प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा बताया। युवा कांग्रेस ने पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष सतेंद्र (सोनू) कुकरेले, ग्रामीण अध्यक्ष राजा श्रीवास्तव, पूर्व ग्रामीण अध्यक्ष पारस जैन, उवैस अंसारी, अभ्युत बाजपेयी, सौरभ यादव, नितिन सिंह, ललित सोनी, आजम अली खान, भानु यादव, गुलाम हुसैन, ताहिर अली, कपिल भोजक, शिशांत सिंह ठाकुर, मोंटी वंशकार, राजा रैकवार आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस आज कलेक्टर को सौंपेगी ज्ञापन

बरगी में हुए दुखद हादसे को लेकर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल आज दोपहर 12 बजे कलेक्टर से मुलाकात करेगा। यह प्रतिनिधिमंडल ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव और शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेगा। कांग्रेस नेताओं ने हादसे में मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की बात कही है। प्रमुख मांगों में मुआवजा राशि बढ़ाना, जिला पंचायत सीईओ को तत्काल निलंबित करना, उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराना तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शामिल है।

दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि

नवभारत,जबलपुर। बरगी क्षेत्र में हुई हृदयविदारक घटना में दिवंगत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु गौ माता चौक पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। महिला मंडल अध्यक्ष भावना गुप्ता ने बताया कि इस दुखद घटना से समूचा क्षेत्र शोकाकुल है और सभी ने मिलकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर अपर्णा गुप्ता, श्वेता, आभा, सपना, पूर्णिमा, नीरज (एस्ट्रो), नीरज (मदन महल), नीरज (कटंगा), संजय, कमलेश, राकेश एवं दिगंबर गुप्ता सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

जय महाकाल संघ ने मौन धारण कर जताया आक्रोश

नवभारत,जबलपुर। भारत माता चौक, सदर क्षेत्र में आज जय महाकाल संघ अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा बरगी क्रूज हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी और घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया रामकृष्ण तिवारी ने आरोप लगाया कि हादसे के लिए जिम्मेदार पर्यटन विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। संगठन ने मामले की न्यायिक जांच हाईकोर्ट के न्यायाधीश से कराने तथा मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की भी मांग उठाई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कन्हैया तिवारी, नीलू सोनकर, अमरनाथ सोनकर, संदीप मेहरा, सुमित यादव, ओमकार पटेल, हिमांशु त्रिपाठी, ब्रह्मानंद दुबे, दीपक ठाकुर, एड. संदीप शुक्ला, विकास सराठे, सुजीत सिंह ठाकुर, राजेंद्र साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उर्स का समापन, सूफियाना कलामों से महफ़िल रही सराबोर

नवभारत,जबलपुर। आगा चौक स्थित हज़रत शाह मिर्ज़ा आगा मोहम्मद साहब की दरगाह में आयोजित त्रिविदिवसीय उर्स का शनिवार की शाम कुल शरीफ़ की फ़ातिहा के साथ अकीदत और रूहानी माहौल में समापन हुआ। तीन दिनों तक चले इस उर्स में दूर-दराज़ से आए अकीदतमंदों ने बढ़-चढ़कर शिरकत की और दरगाह पर हाज़िरी देकर दुआएँ मांगीं। उर्स शरीफ़ के अंतिम दिन आयोजित महफ़िले सिमा (कव्वाली) कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें मशहूर सूफ़ी संत अमीर खुसरो का प्रसिद्ध कलाम 'मन कुन्तो मौला, फ़ा अलीय्युन मौला' पेश किया गया। इस कलाम की रूहानी गूंज से पूरा माहौल सूफियाना रंग में रंग गया और महफिल में मौजूद सूफ़ी हज़रात व अकीदतमंद झूम उठे। कव्वालों की पेशकश पर लोगों ने दिल खोलकर नज़राना पेश किया और देर रात तक महफ़िल का सिलसिला जारी रहा।

उर्स के दौरान दरगाह परिसर में खास सजावट की गई थी, जिससे पूरा क्षेत्र रोशनी और इत्र की खुशबू से महक उठा। अकीदतमंदों के लिए लंगर और तबर्रुक का भी विशेष इंतजाम किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

भाईचारे और आपसी सौहार्द की अनूठी मिसाल

उर्स की खास बात यह रही कि इसमें सभी धर्मों और समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे कौमी एकता, भाईचारे और आपसी सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। इस मौके पर मुल्क की तरक्की, खुशहाली और कामयाबी के लिए भी ख़ास दुआएँ मांगी गईं। दरगाह कमेटी के मुतवल्ली सैय्यद लियाकत अली, गुलाम अली घीवाला, सेक्रेटरी मोहम्मद रफीक खान, सैय्यद साबिर अली सहित अन्य पदाधिकारियों ने उर्स शरीफ़ में शामिल होने वाले सभी अकीदतमंदों का दिल से शुक्रिया अदा किया।

वर्तमान परिदृश्य में शक्तिपीठों की भूमिका पर रखे विचार

नवभारत, जबलपुर। महाराष्ट्र कॉलेज में त्रिपुरी शोध पीठ एवं महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'वर्तमान परिदृश्य में शक्तिपीठों की भूमिका' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'सर्वम शक्तिमयम्' का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य स्वामिनी सद्विद्यानंदन सरस्वती और डॉ. जितेंद्र जामदार के मुख्य आतिथ्य में तथा प्रमोद दिवाकर पाठक की अध्यक्षता में हुआ। सम्मेलन में डॉ. अखिलेश गुमास्ता, प्रो. रजनीश शुक्ला, प्रो. राजेंद्र प्रसाद शर्मा सहित अनेक विद्वानों ने भारत सहित बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान में स्थित शक्तिपीठों की सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक भूमिका पर विचार प्रस्तुत किए। द्वितीय दिवस पर डॉ. विजय श्रीनाथ कांची, प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, प्रो. ब्रम्हानंद त्रिपाठी सहित अन्य विद्वानों ने विभिन्न शास्त्रों में वर्णित शक्तिपीठों के प्रभाव पर प्रकाश डाला। सम्मेलन के संयोजक डॉ. दिलीप सिंह हजारी ने आयोजन की रूपरेखा बताई, जबकि आयोजन सचिव डॉ. नितिन कुमार पटेल ने त्रिपुरी शोध पीठ के आयामों को विस्तार से रखा। कार्यक्रम का संचालन निरंद सिंह ठाकुर 'नीर' ने किया, वहीं तकनीकी सत्रों का संचालन डॉ. राजा तिवारी और डॉ. अर्चना साने ने किया। इस अवसर पर देशभर से आए शोधार्थियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संगोष्ठी | सामाजिक समरसता और सद्भाव पर प्रमुख जन संगोष्ठी आयोजित

बचपन से ही परिवार और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव जरूरी : शेंडे

नवभारत,जबलपुर। प्राथमिक शिक्षा के दौरान ही बच्चों में परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। यह बात अखिल भारतीय विद्या भारती मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष विवेक शेंडे ने नरसिंह मंदिर, शास्त्री ब्रिज स्थित विद्या भारती परिसर में आयोजित सामाजिक सद्भाव एवं समरसता विषयक जन संगोष्ठी में कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बचपन से ही भारत माता की सेवा, परिवार की एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने के संस्कार दिए जाने चाहिए। परिवार में माता-पिता और गुरु के प्रति सम्मान का भाव होना जरूरी है। संघ का उद्देश्य समाज को जागरूक कर संगठित करना और एकात्म मानववाद के माध्यम से पीड़ित मानवता की सेवा करना है। विवेक शेंडे ने डॉ. हेडगेवार के संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने हिंदू समाज को जागृत करने और राष्ट्र गौरव को सर्वोच्च शिखर तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया। वर्तमान समय में संगठन की स्वीकार्यता जन-जन तक है और स्वयंसेवकों को पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य और कुटुंब प्रबोधन जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बी.बी. शर्मा (गायत्री परिवार) ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अखिलेंद्र सिंह, अनिरुद्ध कौरवार, डॉ. श्रीमती शिरीष जामदार सहित समरसता एवं सद्भाव विभाग के संयोजक, कृषि, आयुध, नर्मदा भाग के पदाधिकारी एवं विभिन्न सामाजिक-धार्मिक वर्गों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे